द आसेंडर
एन आई सी ओड़िशा का मुखपत्र
पत्रिका (इलेक्ट्रॉनिकी वितरण हेतु)
जनवरी- 2024

@SIO का संदेश

'द एसेंडर' एनआईसी का एक ऐसा दर्पण है, जो न केवल ओड़िशा में बल्कि अखिल भारतीय स्तर पर एनआईसी और एनआईसी वालों के निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित यह ई-गवर्नेंस न्यूज़लेटर हमारी उपलब्धियों, विचारों के साथ-साथ राज्य और केंद्र सरकार के संगठनों तक अपनी जिम्मेदारियों को प्रसारित करने में सहायक हो रहा है।

आप सभी की शुभकामनाओं , व्यापक सराहना और भागीदारी के साथ इसके वितरण को सफल गति मिली है।

उचित समय में हम उच्च स्तरीय सामग्री, ज्वलंत तकनीकी मुद्दों, सुइट और उत्पादीकरण आधारित ई-गॉव अनुप्रयोगों पर आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं और इस प्रकार ज्ञान प्रबंधन और सुशासन के लिए एक इको-सिस्टम बनाते हैं।

इस नए साल 2024 संस्करण को जारी करते हुए, मैं अपने सभी साथी एनआईसीवासियों और सरकार के सभी संगठनों, उन संगठन जिनके साथ हम डिजिटल गवर्नेंस की प्रगति में भागीदार के रूप में काम कर रहे हैं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं ।

हम "डिजिटल इंडिया" और राज्य सरकार के 5-टी जनादेश, दोनों के लिए अपनी सच्ची भावना से सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध रहेंगे।

आप सभी को और आपके प्रियजनों को नव वर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

#प्रेरणा #उत्साह

|जिला सूचना-विज्ञान अधिकारियों|डीआईओ के लिए ई-गवर्नेंस सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य सचिव, ओड़िशा द्वारा किया गया

ओड़िशा के सभी 30 जिलों के डीआईओ और एडीआईओ के लिए तीन दिवसीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन (डीआईओ मीट-2023) एनआईसी, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। 14 दिसंबर को कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, ओड़िशा के मुख्य सचिव, श्री प्रदीप कुमार जेना, आईएएस, ने जमीनी स्तर पर ई-गवर्नेंस समाधानों के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों (डीआईओ) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि डीआईओ के क्षमता निर्माण पर विभिन्न तरीकों से ध्यान दिया जा रहा है।ओड़िशा सरकार के 5-टी जनादेश पर जोर देते हुए उन्होंने कामना की कि डीआईओ को समय पर परिवर्तन लाने के लिए प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के प्रति समर्पित होना चाहिए।

सम्मानित अतिथि श्री आर. संथानगोपालन, आईएएस, आयुक्त-सह-सचिव, श्रम और ईएसआई ने विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और विभिन्न ई-गवर्नेंस समाधानों में इसे एकीकृत करने के दृष्टिकोण पर चर्चा की। डॉ. ए.के. होता, डीडीजी एवं एसआईओ ने एनआईसी, ओडिशा की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया और डीआईओ के योगदान पर जोर दिया। इस अवसर पर डेस्कटॉप कैलेंडर के रूप में परियोजना प्रोफ़ाइल जारी की गई। बाद में, माइंड्सडीबी, बिगचेनडीबी, आईपीवी6, वेबसॉकेट, एलेक्सा स्किल, आईओटी आर्किटेक्चर आदि पर कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए और डीआईओ को उनके सर्वोत्तम योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

साथी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला (सीड अथेनटीकेशॉन ट्रेशेबिलिटी एंड होलिस्टिक इंवेंट्री)

15 दिसंबर 2023 को, एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एनआईसी, ओड़िशा, एनआईसी, दिल्ली और एनआईसी, महाराष्ट्र के सहयोगात्मक प्रयास द्वारा विकसित राष्ट्रीय पहल SATHI पर प्रकाश डाला गया। इस आयोजन में कृषि विभाग, ओड़िशा बीज और जैविक उत्पाद प्रमाणन एजेंसी और ओड़िशा राज्य बीज निगम जैसी प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ-साथ राज्य और जिलों, दोनों के एनआईसी अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी हुई।

श्रीमती माला मित्तल, डीडीजी एवं एचओडी (कृषि सूचना प्रभाग), एनआईसी, नई दिल्ली ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए साथी जागरूकता (विवरणिका) ब्रोशर और साथी मॉड्यूल पर परिचय वीडियो जारी किया। उन्होंने SATHI पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी, जिसके बाद श्री नीलाद्रि बिहारी मोहंती, वैज्ञानिक-डी और संयुक्त निदेशक (आईटी),ने उपस्थित प्रतिभागियों को एक विस्तृत व्याख्या दी ।

ओएसएसओपीसीए के निदेशक श्री पी के साहू ने इस कृषि क्षेत्र में ओड़िशा की प्रगतिशील यात्रा के बारे में बताते हुए बीजों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने SATHI टाइमलाइन वीडियो का अनावरण किया, जो SATHI के ओड़िशा मूल से एक व्यापक और स्केलेबल पहल तक के विकास को दर्शाने वाली एक दृश्य यात्रा है, जो उल्लेखनीय रूप से कम समय सीमा में सभी राज्यों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करती है।

eDARपर राज्य स्तरीय कार्यशाला (इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट)

eDAR iRAD (एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस) का विस्तार है और मोटर दुर्घटना मुआवजा दावे के लिए विभिन्न हितधारकों द्वारा पीड़ितों के दुर्घटना दावों को पारदर्शी और परेशानी मुक्त तरीके से कर सकता है। ओड़िशा में ई-डीएआर के कार्यान्वयन को शुरू करने के लिए, राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए), ओड़िशा द्वारा 16 दिसंबर 2023 को जिला संस्कृति कार्यालय सभागार, पुरी में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

श्री सुनील कुमार बंसल, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, ओड़िशा ने एनएचएआई, आरएंडबी, पुलिस, परिवहन और सड़क सुरक्षा सेल के अन्य हितधारकों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी डीआईओ, डीआरएम और आरटीओ की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया।

श्री पवन गुप्ता, प्रोजेक्ट मैनेजर, आईआरएडी, एनआईसीएसआई, नई दिल्ली ने एक प्रस्तुति दी और बताया कि विभिन्न हितधारकों द्वारा ई-डीएआर का उपयोग कैसे किया जाएगा और आवश्यक फॉर्म कैसे भरे जाएंगे ताकि यह लाभार्थियों के लिए सहायक हो सके। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए नोडल अधिकारियों/संपर्क के एकल बिंदु (एसपीओसी) और एमएसीटी, एलएसए, बीमा, सीडब्ल्यूसी आदि के लिए नोडल अधिकारियों की पहचान करने की योजना बनाई गई। हितधारकों को अभ्यास के लिए डेमो साइट प्रमाणीकरण पर साझा किया जाएगा जिसमें वे अपनी प्रतिक्रिया साझा कर सकते हैं।

एक दिवसीय ओएलआईसी कार्यशाला में ई-ऑफिस पर विचार-विमर्श

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक), भुवनेश्वर ने 22 दिसंबर 2023 को भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला और तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया।

श्री ज्योति प्रकाश बेहेरा, डीआईओ, जगतसिंहपुर ने सम्मानित वक्ता के रूप में शामिल होकर ई-ऑफिस की विभिन्न विशेषताओं, इसके लाभों पर प्रकाश डाला और विभिन्न संस्करणों के विकास के बारे में बताया। उन्होंने एक केस स्टडी के रूप में 'जगतसिंहपुर जिले में ई-ऑफिस कार्यान्वयन' को प्रदर्शित किया, जिसमें सभी प्रशासनिक स्तरों पर ई-ऑफिस को लागू करने के लिए अपनाए गए रणनीतिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने ई-ऑफिस की जटिलताओं से अवगत कराया, आधिकारिक संचार में राजभाषा के कार्यान्वयन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और चर्चा की कि इसकी एमआईएस रिपोर्ट और ज्ञान प्रबंधन प्रणाली ई-ऑफिस उपयोगकर्ता की कैसे मदद कर सकती है।

नियर्स(NEARS) ने अपनी अनूठी शैली से एनआईसी ओड़िशा के सभी अधिकारियों को सम्मानित किया

एनआईसी कर्मचारी एसोसिएशन फॉर रिक्रिएशन एंड स्पोर्ट्स (NEARS), भुवनेश्वर ने 14 दिसंबर 2023 को विशेष रूप से एनआईसी ओड़िशा के जिला अधिकारियों के लिए 'एनआईसी डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स मीट' का आयोजन किया । यह खेल प्रतियोगिता एनआईसी ओड़िशा के जिला अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला के साथ था । सभी जिलों के डीआईओ और एडीआईओ ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे वॉकिंग, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस आदि में बडे जोश तथा प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भाग लिया। विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया और प्रत्येक प्रतिभागी को भागीदारी के लिए 'प्रशंसा प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया। श्री शुभकांत पांडा, डीआईओ, बौध को वॉकिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक सहित तीन पदकों के साथ खेल प्रतियोगिता के 'ऑल-राउंड चैंपियन' के रूप में चुना गया।

NEARS ने 15 दिसंबर 2023 की शाम को अपना वार्षिक मिलन समारोह भी आयोजित किया। NIC, भुवनेश्वर के सभी सेवानिवृत्त और वर्तमान कर्मचारी, सभी DIO और ADIO अपने परिवार सदस्यों के साथ NEARS के इस प्रतीक्षित वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस रंगारंग शाम समारोह के दौरान नियर्स, डीआईओ, एडीआईओ के कई सदस्यों और उनके बच्चों ने गीत, कोरस गीत, नृत्य, मोनो एक्ट जैसे कार्यक्रम में अपना हुनर प्रदर्शित किया जो बहुत ही आकर्षक रहा।

नियर्स (NEARS) एनआईसी, भुवनेश्वर के सेवानिवृत्त और वर्तमान कर्मचारियों का एक पंजीकृत गैर-राजनीतिक और गैर-लाभकारी संघ है, जो अपने सदस्यों के स्वस्थ, तनाव रहित और जीवन में सक्रियता बनाने लिए खेल और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियोंका अयोजन करता है।

साइबर सुरक्षित ओड़िशा कॉन्क्लेव

इकोनॉमिक टाइम्स ने जेडस्केलर के सहयोग से साइबर सुरक्षा के विषय पर केंद्रित एक क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। "कैसे शून्य विश्वास राज्य विभागों की मदद कर सकता है?" शीर्षक वाली पैनल चर्चा में एनआईसी, ओड़िशा के अधिकारी श्री नीलाद्रि बिहारी मोहंती, वैज्ञानिक और संयुक्त निदेशक (आईटी) को श्री शेफीन अहमद के, पुलिस महानिरीक्षक (अपराध शाखा और साइबर अपराध) और अन्य पैनलिस्टों के साथ मंच साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। श्री मोहंती ने अनंत जोखिमों के सामने शून्य-विश्वास सुरक्षा मॉडल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए विश्वास और जोखिम के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि कैसे जोखिम, जो कभी मापने योग्य था, अब बदलते परिदृश्यों में अनंत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत के उभरते फिनटेक परिदृश्य में पारंपरिक जोखिम गणना पद्धतियां कैसे विफल हो गई हैं। सहयोग, बहु-स्तरीय आउटसोर्सिंग, प्रबंधित क्लाउड सेवाओं में परिवर्तन और कॉर्पोरेट विलय की बदलती गतिशीलता से उत्पन्न चुनौतियों के बारे में उनके विश्लेषण को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।